Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. सूरदास के पद अनुसार उद्धव किसकी संगति में रहकर भी प्रेम से अछूते रहे हैं?

(अ) कृष्ण की (ब) मित्र की

(स) सूरदास की (द) गोपियों की

2. सूरदास के पदों के आधार पर उद्धव हैं —

(अ) सगुण ईश्वर के भक्त, कृष्ण-सखा, योग के प्रचारक (ब) निर्गुण ब्रह्म के उपासक, कृष्ण सखा, योग-मार्गी

(स) निर्गुण ईश्वर के विरुद्ध, सगुण-कृष्ण के भक्त, योग-मार्गी (द) निर्गुण ब्रह्म के उपासक, कृष्ण-सखा, योग के विरोधी

3. अपरस रहत स्नेह तगा तैं का आशय है?

(अ) गोपियों की विरह वेदना का मजाक उड़ाना। (ब) गोपियों के प्रेम को न समझना।

(स) धागे का रसहीन होना। (द) प्रेम रूपी धागे से दूर रहना।

4. सूरदास के पद के अनुसार कौन धीरज नहीं रख पा रहा है?

(अ) गोपियाँ (ब) श्रीकृष्ण

(स) इनमें से कोई नहीं (द) उद्धव

5. सूरदास की मृत्यु कब हुई?

(अ) सन् 1568 (ब) सन् 1583

(स) सन् 1578 (द) सन् 1520

6. सूरदास के पद में जक री शब्द का अर्थ है—

(अ) दुःखी होना (ब) रटना

(स) जर्जर होना (द) व्यर्थ होना

7. गोपियों को अकेला छोड़कर कृष्ण कहाँ चले गए थे?

(अ) वृन्दावन (ब) द्वारका

(स) मथुरा (द) ब्रज

8. 'पद' कहाँ से अवतरित है?

(अ) सूरसागर (ब) प्रेम सागर

(स) कविता वाली (द) रचना सागर

9. गोपियों के अनुसार राज धर्म है —

(अ) राजा प्रजा को न सताए (ब) राजा न्याय करें

(स) प्रजा को दुश्मनों से बचाए (द) राजा प्रजा की आर्थिक स्थिति ठीक रखें

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. **गोपियों के अनुसार कृष्ण जी कौन सा ज्ञान प्राप्त कर चतुर हो गए हैं।**

(अ) धर्मनीति (ब) राजनीति

(स) कूटनीति (द) प्रेमनीति

रिक्त स्थान :

11. गोपियाँ _____ के वियोग में व्याकुल थीं।

12. सूरदास के साहित्य में _____ गुण की प्रधानता है।

सत्य / असत्य

13. गोपियों ने राधा को बड़भागी कह कर संबोधित किया है।

14. उद्धव योग के ज्ञाता थे।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. **आशय स्पष्ट कीजिए —** हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

16. गोपियाँ किसका प्रतीक हैं? श्रीकृष्ण के प्रति उनका प्रेम-भाव क्या सिद्ध करता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. सूरदास के पद के आधार पर लिखिए की गोपियों ने किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलहाने दिए हैं।

18. सूर के पद में गोपियों के माध्यम से सूरदास की भक्ति-भावना सामने आती है। इस कथन के आलोक में सूरदास की भक्ति-भावना पर टिप्पणी कीजिए। (किन्हीं दो बिंदुओं को उत्तर में अवश्य शामिल करें)

निबंधात्मक प्रश्न

19. गोपियों ने अपने वाक्चातुर्य के आधार पर ज्ञानी उद्धव को परास्त कर दिया, उनके वाक्चातुर्य की विशेषताएँ लिखिए?

20. गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं? क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नजर आता है, स्पष्ट कीजिए।

HOTS

21. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनिए —**

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलें ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यों अनीति करें आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

21. काव्यांश में कृष्ण के राजनीति पढ़ने का क्या अर्थ है?

(i) (अ) उनमें छल - कपट आ गया है (ब) वे अधिक विनम्र हो गए हैं
(स) वे सबसे प्रेम करते हैं (द) वे राजा बन गए हैं

21. गोपियाँ अपना मन किससे वापिस लेना चाहती हैं?

(ii) (अ) कृष्ण से (ब) सूरदास से
(स) उद्धव से (द) स्वयं से

21. काव्यांश में 'मधुकर' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

(iii) (अ) कृष्ण के लिए (ब) कवि के लिए
(स) उद्धव के लिए (द) गोपियों के लिए

21. गोपियाँ कृष्ण को किसकी याद दिला रही हैं?

(iv) (अ) मर्यादा की (ब) प्रेम की
(स) लोकधर्म की (द) राजधर्म की

21. गोपियों ने पहले के लोगों को कैसा बताया है?

(v) (अ) कपटी (ब) परोपकारी
(स) धोखेबाज (द) निर्मम

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by Ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय-1 | सूरदास

Worksheet-1
उत्तरमाला

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (अ) प्रस्तुत पद के अनुसार उद्धव कृष्ण की संगति में रहकर भी प्रेम से अछूते हैं।
2. (ब) निर्गुण ब्रह्म के उपासक, कृष्ण सखा, योग-मार्गी
3. (द) प्रेम रूपी धागे से दूर रहना।
4. (अ) गोपियाँ।
5. (ब) सूरदास की मृत्यु सन् 1583 में हुई थी।
6. (ब) सूरदास के पद में जक री शब्द का तात्पर्य रटना से है।
7. (स) पाठ के अनुसार गोपियों को अकेला छोड़कर कृष्ण मथुरा चले गए हैं।
8. (अ) सुरसागर।
9. (अ) गोपियों के अनुसार राज धर्म है कि राजा अपने प्रजा को न सताए।
10. (ब) क्योंकि वे चाहते थे कि गोपियाँ उन्हें भूल जाएँ इसलिए उनके मन को अन्यत्र लगाने के लिए उन्होंने अपने मित्र उद्धव को उन्हें योग का ज्ञान देने के लिए भेजा।
11. **रिक्त स्थान :** श्रीकृष्ण
12. **रिक्त स्थान :** माधुर्य गुण
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. प्रस्तुत पंक्ति का आशय है कि कृष्ण अब पहले जैसे सरल नहीं रहे, 'चतुर' हो गए हैं। उनमें बदलाव आ गया है। अब राजनेताओं की तरह उनकी कथनी व करनी में अंतर आ गया है।
16. गोपियाँ 'आत्मा' का प्रतीक हैं। और कृष्ण 'परमात्मा' कृष्ण के प्रति उनका प्रेम-भाव परमात्मा के प्रति जीवात्मा का प्रेम है। आत्मा-परमात्मा का ही अंश है। उससे बिछुड़कर रहना आत्मा के लिए कठिन है। जिस प्रकार आत्मा अपने परमात्मा से प्रेम करती है उसी प्रकार से गोपियां भगवान श्री कृष्ण से प्रेम करती हैं।
17. गोपियों ने कई तरह से उद्धव को उलाहने दिये हैं। उदाहरण के लिए, वे उद्धव पर यह आक्षेप लगा रही हैं कि उद्धव तो श्याम के रंग से अनछुए ही रह गये हैं। एक अन्य पद में यह कहा गया है कि उद्धव तो योगी हो गए हैं जिनपर विरक्ति सवार है।
18. सूर के पद' में गोपियों के माध्यम से सूरदास की भक्ति-भावना सामने आती है जो इस प्रकार है -
वे स्वयं को कृष्ण रूपी गुड़ पर लिपटी हुई चींटी कहती हैं। वे स्वयं को हारिल पक्षी के समान कहती हैं जिसने कृष्ण-प्रेम रूपी लकड़ी को हढ़ता से थामा हुआ है।
19. उद्धव जैसे ज्ञानी को गोपियों की वाक्चातुर्यता चुप रहने के लिए विवश कर देती है और वे गोपियों के वाक्चातुर्य से प्रभावित हुए बिना नहीं रहते। उनके वाक्चातुर्य की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-स्पष्टता-गोपियाँ अपनी बात को बिना किसी लाग-लपेट के स्पष्ट कह देती हैं। जैसे वे योग संदेश को बिना संकोच के कड़वी-ककड़ी बता देती हैं। व्यंग्यात्मकता-गोपियाँ व्यंग्य करने में प्रवीण हैं। उनकी भाग्यहीनता पर यह कहकर व्यंग्य करती हैं कि तुमसे बढ़कर और कौन भाग्यवान होगा जो कृष्ण के समीप रहकर उनके अनुराग से वंचित रहे। सहृदयता उनकी सहृदयता उनकी बातों में स्पष्ट झलकती है जब वे गद्गद होकर कहती हैं कि हम अपनी प्रेम-भावना को उनके सामने प्रकट ही नहीं कर पाई। इस तरह उनका वाक्चातुर्य अनुपम था।
20. जब गोपियों ने देखा कि जिस कृष्ण की वे बहुत समय से प्रतीक्षा कर रही थीं, वे नहीं आए। उसकी जगह कृष्ण से दूर ले जाने वाला योग-संदेश आ गया तो उन्हें इसमें कृष्ण को एक चाल नजर आई। वे इसे अपने साथ छल समझने लगीं। इसीलिए उन्होंने आरोप लगाया कि हरि हैं राजनीति पदि आए।

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें 100% FREE! VIDEO COURSES | QUIZ | DPP | TEST SERIES Download Mission Gyan App

आज की राजनीति तो सिर से पैर तक छल-कपट से भरी हुई है। किसी को किसी भी राजनेता के वादों पर विश्वास नहीं रह गया है। नेता बातों से नदियाँ, पुल, सड़क और न जाने क्या-क्या बनाते हैं किन्तु जनता लुटी-पिटी-सी नजर आती है। आजादी के बाद से गरीबी हटाओ का नारा लग रहा है किन्तु तब से लेकर आज तक गरीयों की कुल संख्या में वृद्धि ही हुई है। इसलिए गोपियों का यह कथन समकालीन राजनीति पर खरा उतरता है।

21.

i. (अ) उनमें छल कपट आ गया है

ii. (अ) कृष्ण से

iii. (स) उद्धव के लिए

iv. (द) राजधर्म की

v. (ब) परोपकारी

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App